दैनिक भास्कर

डॉ. अमित अग्रवाल ने अनोखी 'बोन सेल थेरेपी' का किया उपयोग

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली, अपोलो अस्पताल ने रिग्रो बायोसाइन्सेज़ के सहयोग सेकूल्हों के एवीएन (एवास्कूलर नेक्रोसिस) का इलाज करने के लिए 'ऑसग्रो' नामक भारत के पहले और एकमात्र डीसीजीआई स्वीकृत, एक लक्षित एवं वैयक्तिकृत सेल थेरेपी आधारित उपचारात्मक समाधान का उपयोग करते हुए 'बोन सेल थेरेपी' का सफलतापूर्वक संचालन किया है। इलाज की इस पद्धति का उपयोग एक 25 वर्षीय युवक पर किया गया जो एवीएन की समस्या से पीड़ित मरीज़ था। 25 वर्ष की उम्र में एक महत्वाकांक्षी मैकेनिकल इंजीनियर, मानेंद्र सिंह एक अच्छे करियर के सपनों के साथ मुंबई शहर आया। लेकिन भोजन विषाक्तता (फूड फॉइज़निंग) के कारण उसे जॉन्डिस की बीमारी हो गई। उसने

अन्य दवाइयों के साथ इस समस्या के लिए होमियोपैथी उपचार लेना भी शुरू किया। हालांकि कुछ महीनों के बाद उसे हिप जॉइंट के दाईं तरफ कुछ असहज महसूस होना शुरू हुआ। इसके बाद मानेंद्र ने इलाज के लिए एक ऑर्थोपेडिक डॉक्टर के पास जाने का फैसला किया। हालांकि, दवाइयाँ लेने के बावजूद कोई राहत नहीं मिल रही थी। दर्द लगातार बढ़ना शुरू हो गया और उन्हें रोज़मर्रा की गतिविधियाँ करने में भी परेशानी होने लगी।